

रॉबर्ट वानॉय, निर्वासन से निर्वासन, व्याख्यान 7बी

जोशुआ: जेरिको, एआई

तृतीय. सी. कनान की विजय - यहोशू 5:13-12:24

1. जेरिको पर कब्ज़ा हम सी. III के अंतर्गत हैं, जो "की विजय Canaan: यहोशू 5:13 से 12:24 तक है।" 1. उसके नीचे है " यहोशू 6 में विजय। " Jericho मुझे यकीन है कि आप सभी को लेने की कहानी से परिचित हैं Jericho। यह निश्चित रूप से एक बहुत ही असामान्य और चमत्कारी तरीका था जिसमें भगवान ने शहर को दिया था Israel। मुझे लगता है कि जिस तरह से इज़राइल ने जेरिको को लिया, उसका महत्व यह है कि यह कनान देश का पहला शहर है जिसे उन्होंने लिया था, और जिस तरह से किया गया था उसका उद्देश्य प्रभु द्वारा उन्हें एक स्पष्ट उदाहरण देना था जो उन्हें प्राप्त होगा भूमि उसके हाथ से एक उपहार के रूप में, और अंततः भूमि यहोवा की थी, इस्राएल की नहीं।

आप अध्याय 6 में देखेंगे, दूसरे श्लोक में, प्रभु कहते हैं, "देख, मैंने Jericho उसके राजा और उसके योद्धाओं समेत तुम्हारे हाथ में कर दिया है।" पर कब्ज़ा Jericho सैन्य रणनीति, अत्यधिक बल, या लंबी घेराबंदी का परिणाम नहीं था; लेकिन शहर को परमेश्वर ने इस्राएलियों के हाथों में दे दिया था जब इस्राएलियों ने उन बातों का पालन किया जो शायद मूर्खतापूर्ण और अजीब निर्देश लग सकते थे। आप श्लोक तीन में देखेंगे, उनसे कहा गया है: "सभी हथियारबंद लोगों के साथ एक बार शहर के चारों ओर मार्च करें। ऐसा छह दिन तक करें. सात याजकों को मेढ़ों के सींगों की तुरहियाँ लेकर सन्दूक के आगे आगे ले चलो। सातवें दिन, याजकों के साथ तुरही बजाते हुए नगर के चारों ओर सात बार घूमना। जब तुम उन्हें नरसिंगों का लंबा शब्द बजाते हुए सुनो, तो सब लोगों से ऊंचे स्वर से चिल्लाना; तब नगर की शहरपनाह ढह जाएगी और लोग सीधे अंदर चले जाएंगे।" इसलिये छः दिन तक प्रति दिन एक बार नगर के चारों ओर घूमना, और सातवें दिन उसके चारों ओर सात बार घूमना, और नरसिंगे फूंकना और जयजयकार करना, और नगर की शहरपनाह गिरने पर होगी। लेकिन वास्तव में ऐसा ही होता है! पद 20 को देखें: "जब नरसिंगे बजने लगे, तो लोग चिल्लाने लगे, और नरसिंगे के शब्द होते ही जब लोगों ने ऊंचे शब्द से जयजयकार किया, तो शहरपनाह ढह गई; इसलिए हर एक व्यक्ति सीधे अंदर घुस गया और उन्होंने नगर पर कब्ज़ा कर लिया।"

2. हेरेम - समर्पित और शापित - भगवान को समर्पित अलग कर दिया गया [नष्ट कर दिया गया या भगवान के खजाने में डाल दिया गया] लेकिन आप जो पाते हैं वह यह है कि लोगों को बताया गया है कि शहर को केवल भगवान की महिमा के लिए समर्पित किया जाना है, और मुझे लगता है कि बाकी ज़मीन का भी यही हाल है। आपको इसकी व्याख्या 6:17-19 में मिलेगी। यहां एक अनुवाद मुद्दा है जो हिब्रू शब्द *हेरेम पर केंद्रित है*। आप इससे परिचित हो सकते हैं, लेकिन श्लोक 17 पर ध्यान दें: "शहर और उसमें जो कुछ है वह सब होना है -" एनआईवी कहता है "समर्पित" - वह *यहाँ* है - "प्रभु को।" केवल राहाब वेश्या और जितने उसके घर में हों वे सब बच जाएंगे, क्योंकि उस ने हमारे भेजे हुए भेदियोंको छिपा रखा है। परन्तु समर्पित चीज़ों से दूर रहो [यह वही शब्द है, *यहाँ*], ताकि तुम उनमें से किसी को लेकर अपना विनाश न करो ["स्वयं का विनाश" एक ही शब्द है, *यहाँ*]।" *हेरेम* में से कोई भी शब्द फिर से आता है. "अन्यथा तू छावनी को Israel विनाश का भागी बना देगा [*हेरेम*] और उस पर विपत्ति डाल देगा। सभी चाँदी, सोना और पीतल और लोहे की वस्तुएँ यहोवा के लिए पवित्र हैं और उन्हें उसके भण्डार में जाना चाहिए।" तो वह शब्द *हेरेम* उन तीन छंदों में पाँच बार आता है। *हेरेम* का मूल विचार व्यक्तिगत उपयोग से कुछ अलग करके प्रभु को समर्पित करना है। यह दो तरीकों से किया जा सकता है: या तो नष्ट करके, या भगवान के खजाने में डाल कर। इस मामले में, निवासियों और मवेशियों को मार डाला जाना था और नष्ट कर दिया जाना था, जबकि सोना और चाँदी भगवान के खजाने में डाल दिया जाना था। फिर एक अतिरिक्त आज्ञा बाद में अध्याय के अंत में दी गई है, जहाँ आप पढ़ते हैं: "यहोशू ने यह गंभीर शपथ खाई: 'वह मनुष्य जो इस नगर को फिर बनाने का काम करेगा, वह यहोवा के साम्हने शापित है Jericho। वह अपने पहलौठे पुत्र की कीमत पर इसकी नींव रखेगा; अपने सबसे छोटे बच्चे की कीमत पर वह इसके द्वार स्थापित करेगा।"

मैं उस पर कुछ टिप्पणियाँ करना चाहता हूँ, लेकिन आपके उद्धरण पृष्ठ 52 का हवाला देते हुए मैं *यहाँ* के महत्व को भूल गया हूँ। आइए एक मिनट के लिए उस पर वापस जाएँ, बस इस पर थोड़ा और विस्तार करने के लिए। आपके उद्धरणों के पृष्ठ 52 पर फ्रांसिस शेफ़र की पुस्तक *जोशुआ एंड द फ़्लो ऑफ़ बाइबिलिकल हिस्ट्री से दो पैराग्राफ़ हैं*। वह यहोशू 6:17 का हवाला देते

हुए कहता है, "शहर शापित होगा।" यह एनआईवी कहता है, "शहर और इसमें जो कुछ भी है वह प्रभु को समर्पित है।" देखिए, यह फिर से *हेरेम* शब्द है। आप पूछ सकते हैं, क्या यह "प्रभु को समर्पित" है या "शापित"? अनुवाद अलग है, लेकिन यह *हेरेम* शब्द का अनुवाद करने की कठिनाई का हिस्सा है। शेफ़र का कहना है कि "शापित" इस शब्द के अर्थ का केवल एक हिस्सा दर्शाता है। हिब्रू शब्द का अर्थ "शापित" और "समर्पित" दोनों है - अर्थात्, ईश्वर को दिया गया। यहाँ इसका स्पष्ट अर्थ उत्तरार्द्ध है। शहर को समर्पित किया जाएगा, जिस तरह से एनआईवी इसका अनुवाद करता है: "शहर और उसमें जो कुछ भी है वह प्रभु के लिए है। केवल राहाब वेश्या और जितने उसके घर में हों वे सब बच जाएंगे, क्योंकि उस ने हमारे भेजे हुए भेदियोंको छिपा रखा है। इस प्रकार यहोशू ने उसकी रक्षा की आज्ञा दी। लोगों को यहोशू के आदेशों से यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया कि शहर समर्पित था। "परन्तु तुम केवल समर्पित वस्तुओं से दूर रहो, ऐसा न हो कि तुम समर्पित वस्तुओं में से कुछ लेकर मुसीबत में शापित लोगों का डेरा बना दो। Israel परन्तु सब चाँदी और सोना यहोवा के लिये पवित्र है; वे यहोवा के भण्डार के पास आएंगे।" और फिर यहाँ शेफ़र की टिप्पणी है: "शहर Jericho पहले फलों का प्रतीक था; सभी चीज़ों में पहला फल परमेश्वर का था। Jericho वह भूमि की पहली उपज थी; इसलिए उसमें सब कुछ परमेश्वर को समर्पित था।"

3. जेरिको को पुनर्निर्मित न होने का शाप दिया और अहाब इसलिए समर्पित चीज़ पर अतिरिक्त टिप्पणी है, लेकिन फिर आप अध्याय के अंत में उस श्राप पर वापस आते हैं जो यहोशू जेरिको के इस बर्बाद शहर का पुनर्निर्माण करने वाले किसी भी व्यक्ति पर देता है। हम पाते हैं कि शहर का पुनर्निर्माण लंबे समय तक नहीं किया गया था, लेकिन 1 राजा 16:34 में, अहाब के समय में, इसका पुनर्निर्माण किया गया था। 1 राजा 16:30 कहता है, ओम्री के पुत्र अहाब ने यहोवा की दृष्टि में अपने पहिले सब से अधिक बुरा काम किया। उसने न केवल नबात के पुत्र यारोबाम के पाप करना तुच्छ समझा, बल्कि उसने सीदोनियों के राजा एतबाल की बेटी इज़ेबेल से भी विवाह किया, और बाल की सेवा करने लगा और उसकी पूजा करने लगा।" फिर इसमें उसके कुछ बुरे कृत्यों को सूचीबद्ध किया गया है: "उसने अपनी बनाई हुई Samaria भूमि Baal में बाल के लिये एक वेदी बनाई temple। अहाब ने एक अशोरा नाम खम्भा भी बनवाया, और उस ने इस्राएल के परमेश्वर यहोवा को क्रोध

दिलाने के लिये Israel अपने से पहिले के सब राजाओं से भी अधिक काम किए। फिर उसके बुरे कृत्यों के लगभग चरमोत्कर्ष के रूप में आप श्लोक 34 में पढ़ते हैं: “अहाब के समय में, बेतेल के हील ने पुनर्निर्माण किया Jericho। नून के पुत्र यहोशू के द्वारा कहे हुए यहोवा के वचन के अनुसार उस ने अपने पहलौठे पुत्र अबीराम की कीमत पर उसकी नेव डाली, और अपने सबसे छोटे पुत्र सगुब की कीमत पर उस ने उसके फाटक खड़े किए। यह यहोशू ने 6:26 में जो कहा है उसका संदर्भ है : "जो कोई इसे फिर से बनाएगा वह अपने पहलौठे बेटे की कीमत पर नींव रखेगा, और अपने सबसे छोटे बेटे की कीमत पर इसके द्वार बनाएगा।" अहाब ने 874 से 852 ईसा पूर्व तक शासन किया, इसलिए जब यह पूरा होगा तब आप 800 के दशक में होंगे।

विजय के समय, आप जानते हैं, आप निर्गमन चर्चा की प्रारंभिक/देर की तारीख पर वापस जाते हैं: या तो 1400 या 1200 के दशक में। यदि आप 1200 के दशक में हैं, तो यह 400 वर्ष की अवधि है। यदि आप शुरुआती तारीख पर जाएं, जैसा कि मैं सोचता हूं कि यह है, तो इसका मतलब यह होगा कि शहर का पुनर्निर्माण 600 वर्षों तक नहीं हुआ था। आपको आश्चर्य हो सकता है कि प्रभु ने उस शहर का पुनर्निर्माण करने वाले किसी भी व्यक्ति पर यह श्राप क्यों दिया Jericho। बाइबिल के पाठ में इसकी कभी व्याख्या नहीं की गई है, इसलिए हम जो भी स्पष्टीकरण देंगे वह अनुमान लगाया जाएगा। मुझे ऐसा लगता है कि भगवान का इरादा यह था कि शहर की वे खंडहर दीवारें Jericho हमेशा के लिए खंडहर दीवारों के रूप में बनी रहें, इस तथ्य का एक स्मारक बनें कि Israel भगवान की कृपा से भूमि प्राप्त हुई। उन्होंने उस शहर के चारों ओर मार्च किया और दीवारें गिर गईं! याद रखें, प्रभु ने यहोशू से कहा था, "उन बारह पथरों को एक स्मारक के रूप में ले आओ" जिस तरह से उसने उन्हें Jordan River पानी सुखाकर नदी के पार पहुँचाया था। मुझे ऐसा लगता है कि यह एक और स्मारक है: दीवारों के खंडहर इस बात की Jericho याद दिलाते हैं कि जब वे Israel यहां आये land of Canaan, तो उन्हें वह भूमि भगवान से उपहार के रूप में मिली थी। यह उनकी सैन्य ताकत नहीं है जो उन्हें हासिल करने वाली है land of Canaan। इसलिए वह उन दीवारों को इस तथ्य की स्थायी गवाही के रूप में चाहता था कि "यह मेरी भूमि है, मैं इसे तुम्हें दे रहा हूं।" वह नहीं चाहता था कि दीवारों का पुनर्निर्माण हो या द्वारों का पुनर्निर्माण हो।

अहाब, मुझे लगता है, एक शासक के रूप में जो प्रभु से विमुख हो गया, वह सच्चा वाचा

राजा नहीं था। वह ऐसा राजा नहीं था जिसने प्रभु का अनुसरण करके, प्रभु की आज्ञाकारिता में चलकर और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए प्रभु के वादे का दावा करके अपनी सुरक्षा पाई। उन्हें यह महसूस नहीं हुआ कि उत्तरी राज्य की दक्षिण-पूर्वी सीमा पर यह खुला शहर (अर्थात् दीवारों के बिना एक शहर) एक ताकत था, बल्कि एक दायित्व था। बाइबिल से इतर कुछ जानकारी से हम जानते हैं कि उस समय अहाब को मेशा राजा ने धमकी दी थी Moab। मेशा ने मेदाबा नामक एक शहर लिया, जो Jordan शहर के ठीक सामने था Jericho। ऐसा लगता है कि अहाब को उत्तरी राज्य की उस दक्षिण-पूर्वी सीमा पर एक दायित्व महसूस हुआ और उसने फैसला किया, "उत्तरी राज्य की सुरक्षा बनाए रखने के लिए मुझे उस शहर को फिर से मजबूत करने की ज़रूरत है।" परन्तु उसने ऐसा बेथेल के ज्येष्ठ पुत्र हीएल, और साथ ही अपने सबसे छोटे पुत्र

की कीमत पर किया। 4. जेरिको में पुरातात्विक साक्ष्य a. जेरिको पर प्रारंभिक कार्य तो, वे टिप्पणियाँ जेरिको शहर पर कब्ज़ा करने के बारे में हैं। मैं इस अध्याय से संबंधित पुरातात्विक खोजों के बारे में कुछ टिप्पणियाँ करना चाहता हूँ। जब हमने निर्गमन की तारीख के बारे में बात की तो हमने कुछ हद तक इस पर चर्चा की। Jericho उस चर्चा में आता है क्योंकि गारस्टैंग ने कहा कि दीवारें Jericho 1400 ईसा पूर्व के आसपास गिरी थीं, इसलिए यह निर्गमन की प्रारंभिक तिथि के लिए एक तर्क बन गया। का टीला Jericho एक बहुत अच्छी तरह से परिभाषित टीला है; साइट की पहचान के बारे में कोई प्रश्न नहीं है। यदि आप Jerusalem घाटी के Jericho नीचे से पूर्व की ओर जाते हैं Jordan, तो यह आज भी एक बहुत ही दर्शनीय स्थल है। यह उस स्थान से लगभग 10 मील उत्तर-पश्चिम में है जहाँ जॉर्डन नदी प्रवेश करती है Dead Sea। हम मानचित्र को चित्रित कर सकते हैं: जहाँ जॉर्डन नदी बहती है Dead Sea, उसके ठीक उत्तर-पश्चिम में लगभग 10 मील की दूरी पर यह टीला है। साइट के पश्चिम में लगभग एक मील की दूरी पर Jericho, लगभग 1500 फीट ऊंची एक पहाड़ी है जो के मध्य भाग के ऊंचे इलाकों तक जाती है land of Canaan। रिफ्ट घाटी का वह पश्चिमी कटक घाटियों द्वारा काटा गया है जो इसके केंद्र तक पहुंच प्रदान करता है land of Canaan। Jericho सामरिक महत्व का है क्योंकि यह उन दर्रे के प्रवेश द्वार की रक्षा करता है जो केंद्रीय उच्चभूमि की ओर जाते हैं। वहां पानी का अच्छा स्रोत था, अच्छी मिट्टी थी, और यह एक

रणनीतिक स्थान पर था जिसे बहुत पहले ही अत्यधिक महत्व के रूप में पहचाना गया था।

1900 के दशक की शुरुआत में जर्मनों द्वारा अर्न्स्ट सेलिन नाम के एक व्यक्ति के नेतृत्व में टीले पर खुदाई शुरू की गई थी, और उन्होंने 1907-1909 तक कई वर्षों तक टीले पर काम किया। 1930 के दशक में, एक अंग्रेज, जॉन गारस्टैंग ने टीले पर आगे काम किया। फिर 1950 के दशक में, कैथलीन केन्योन, जो कि अंग्रेज भी थीं, ने इस पर और खुदाई की Jericho। जर्मन और गारस्टैंग और केनियन सभी को पता चला कि इस साइट का इतिहास बहुत लंबा है। सबसे पुराना टावर नवपाषाण पाषाण युग का लगभग 9000 ईसा पूर्व का पाया गया है। मैं और मेरी पत्नी Jericho कुछ साल पहले गए थे; हम यहां से नीचे चले गए Jerusalem। जब आप आधुनिक स्थल के बाहरी इलाके में पहुँचते हैं (प्राचीन स्थल आधुनिक स्थल के किनारे पर है), तो वहाँ एक चिन्ह होता है जिस पर लिखा होता है, " Jericho पृथ्वी पर सबसे पुराना शहर।" यह अतिशयोक्ति हो सकती है , लेकिन बहुत ज़्यादा नहीं। यह एक ऐसी साइट है जिसका इतिहास 9000 ईसा पूर्व तक जाता है जो काफी अनोखा है।

उत्खनन से पता चला कि प्रारंभिक कांस्य युग (3000 से 2000 ईसा पूर्व) में यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण दीवार वाला शहर था। बस आपको उस सेटिंग का अंदाज़ा देने के लिए, जो पिरामिड युग के समय के समानांतर है Egypt। यदि आप कांस्य युग के उत्तरार्ध में आते हैं, तो यह चाल्डियन और तीसरे राजवंश के Ur समान है Ur, जहां इब्राहीम दक्षिणी से था Mesopotamia। इसलिए यह उस समय एक महत्वपूर्ण शहर था। इसे 2300 और 2000 ईसा पूर्व के बीच नष्ट कर दिया गया था। हम ठीक से नहीं जानते कि उस विनाश का एजेंट कौन था, लेकिन मैं यहां कह सकता हूं कि उस काल की दीवारें वही थीं जिनके बारे में गारस्टैंग ने शुरू में सोचा था कि वे जोशुआ के समय की थीं। बाद में उनके विचार को संशोधित किया गया। मध्य कांस्य युग, 2000 से 1500 में, आपको फिर से मजबूत दीवारों वाला एक अच्छी तरह से निर्मित शहर मिलता है। यह अब तक प्राप्त सबसे बड़े आकार तक बढ़ गया। अब आप पितृसत्तात्मक काल में हैं, 2000 ईसा पूर्व से 1500 ईसा पूर्व तक, जहाँ तक चल रहा है land of Canaan। मध्य कांस्य के अंत में, इसे फिर से हिंसक रूप से नष्ट कर दिया गया, और फिर से आपको आश्चर्य होता है कि विनाश का एजेंट कौन था। हमें पता नहीं। कुछ लोग अनुमान लगाते थे कि यह हिक्सोस है। हिक्सोस Egypt कुछ समय के लिए प्रमुख शासक थे,

और उन्हें Egypt लगभग 1570 ईसा पूर्व से बाहर कर दिया गया था, उन्होंने Egypt लगभग 1750 से 1570 तक शासन किया, लेकिन लगभग 1570 में उन्हें बाहर निकाल दिया गया था Egypt। जहां वे गए थे? क्या वे इसमें आये land of Canaan? संभवतः. क्या उन्होंने हमला किया Jericho? यह संभव है, लेकिन हम निश्चित नहीं हैं। लेकिन फिर, मध्य कांस्य युग के अंत में इसे नष्ट कर दिया गया।

स्वर्गीय कांस्य युग में, जो वह अवधि है जिसमें हम रुचि रखते हैं, जोशुआ की पुस्तक का समय होने के कारण, शहर पर फिर से कब्जा कर लिया गया था। हालाँकि, पुरातत्वविदों ने हमें जो बताया है, उसके अनुसार उस समय के टीले पर बहुत कम अवशेष बचे हैं। गारस्टैंग ने तर्क दिया था कि शहर लगभग 1400 ईसा पूर्व उस कांस्य युग में नष्ट हो गया था। कैथलीन केनियन ने इसका विरोध किया, और "इस समय के दौरान टीले के ऊपरी हिस्से के जबरदस्त अनाच्छादन" की बात कही। ऐसा लगता है कि इस स्तर का अधिकांश भाग 400 से 600 वर्ष की अवधि के दौरान नष्ट हो गया था, जब यहोशू और अहाब के बीच, यहोशू के अधीन होने के बाद शहर काफी हद तक निर्जन था। उस समय के दौरान यह सभी इरादों और उद्देश्यों के लिए एक निर्जन स्थल था।

बी। जेरिको पर के. केन्योन का कार्य

अब पृष्ठ 51 पर अपने उद्धरण देखें। जेम्स केल्सो ने अपने *इंटरप्रेटर डिक्शनरी ऑफ द बाइबल* लेख में Jericho कहा है, "1952 में कैथलीन केनियन ने टीले पर काम शुरू किया; उनके पांच साल के काम के बाद, पुरातात्विक तस्वीर स्पष्ट हो गई है, और निम्नलिखित निष्कर्ष अब मान्य लगते हैं। अधिकांश टीले 16^{वीं} शताब्दी ईसा पूर्व या उससे पहले के हैं; वास्तव में टीले की प्रमुख गहराई मुख्यतः नवपाषाण काल की है।" दूसरे शब्दों में, अधिकांश टीला प्रागैतिहासिक काल का है, और अंतिम बड़ा शहर मूसा से लगभग 300 वर्ष पहले का था। दुर्भाग्य से उसने पाया है कि ऊपरी स्तरों का थोड़ा हिस्सा जो हवा और बारिश से नष्ट होने से बच गया था, वे क्षेत्र पहले से ही जर्मनों और गारस्टैंग द्वारा काम किए गए थे। "Jericho मिट्टी की ईंट से बनाया गया था और यह हवा और बारिश से जल्दी ही बिखर जाता है। वही हवाएँ जिन्होंने एज़ियन गेबर में सोलोमन के स्मेल्टरों के लिए मसौदा तैयार किया था, पहले ही मिट्टी की ईंटों के माध्यम से अपना रास्ता बना चुकी थीं Jericho। एक वर्ष भारी बारिश के कारण अंग्रेजी उत्खनन में बाढ़ आ गई; यहां तक कि नवपाषाण क्षेत्र में भी धारा चैनल टीले के कुछ हिस्सों को काटते हुए पाए गए थे। इसलिए यह असंभव लगता है

कि टीले से 13 वीं शताब्दी के जेरिको के बारे में कुछ भी नया सीखा जा सकता है, हालांकि निकट की कब्रें भविष्य में बहुत मददगार साबित हो सकती हैं। फिर इस अंतिम वाक्य पर ध्यान दें: "फिलिस्तीनी पुरातत्व की प्रमुख त्रासदियों में से एक यह है कि जर्मनों ने तब खुदाई की Jericho जब पुरातत्व अभी भी एक शिशु विज्ञान था।" 1900 के दशक की शुरुआत में जर्मन वहां पहुंचे और खुदाई के तरीके विकसित होने से पहले ही टीले के इस क्षेत्र को परेशान कर दिया, इसलिए यह जानकारी खो गई है।

अगले पैराग्राफ पर जाएँ, आपके उद्धरण के पृष्ठ 51 पर केन्योन से एक पैराग्राफ। वह कहती हैं, "साइट पर कब्जा मेसो-लिथिक काल में शुरू हुआ। 8000 ईसा पूर्व के पूर्व-मिट्टी के बर्तनों के नवपाषाण काल के शहर में उस चरण में निरंतर विकास हुआ था, जिस पर लोगों के दो अलग-अलग समूहों ने सफलतापूर्वक कब्जा कर लिया था, जिसके बाद उस समय नवपाषाण काल के लोगों का कब्जा बहुत कम था। चौथी सहस्राब्दी के अंत में जब तक शहर नष्ट नहीं हो गया, तब तक लगातार कब्जा होता रहा" - यहां उसकी तारीखों पर ध्यान दें - "लगभग 1580। संभवतः 1400 ईसा पूर्व के आसपास इस पर फिर से कब्जा किया गया था। इस अवधि के समय से, लगभग कुछ भी नहीं बचा था।"

अब, हमने इस बारे में तब बात की जब हमने Jericho पहले बात की थी। यदि आप जॉन बिम्सन की थीसिस को उनकी पुस्तक *री-डेटिंग द एक्सोडस कॉन्फ्लिक्ट* में लेते हैं, जहां वह पुरातात्विक काल की डेटिंग को आगे बढ़ाते हैं - मुझे पूरा यकीन है, उस मध्य कांस्य युग के अंत से लेकर अगली शताब्दी तक, 1400 के दशक तक। यह 1580 के विनाश के स्तर को नीचे ले जाएगा, मान लीजिए, 1400 तक। तब आप 1 राजा 6:1 के आधार पर निर्गमन की शुरुआती तारीख के काफी करीब होंगे। तो, जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है, वह बहस एक सतत चलने वाली चीज़ है। यदि केन्यन इस बारे में सही है कि 1580 की तारीख विनाश स्तर है, और फिर आप उसकी 1580 की तारीख को पुरातत्व काल की तारीखों के बिम्सन के संशोधन के साथ जोड़ते हैं, तो यह प्रारंभिक तिथि सिद्धांत के साथ फिट बैठता है।

सी। ब्रायंट वुड का हालिया कार्य हालांकि, जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है, ब्रायंट वुड हाल ही में तस्वीर में आया है। मैंने आपको आपकी ग्रंथ सूची में इस *BAR लेख* के सारांश के साथ

वह हैंडआउट दिया था। Jericho केन्यन की खुद की खुदाई की रिपोर्टों पर वापस जाते हुए, उनका तर्क है कि इस बात के अच्छे सबूत हैं कि शहर 1400 के दशक में नष्ट हो गया था और वहां उसकी डेटिंग गलत है। तो, बहस जारी है।

आइए मैं आपको यहां एक अन्य उद्धरण पढ़ाता हूं। पृष्ठ 53 देखें। यह उस दूसरी चीज़ पर लागू होता है जिस पर हम एक मिनट में आ रहे हैं; लेकिन 1987 से *BAR* में पेज 53 के मध्य में देखें, "बाइबिल एक्सोडस री-डेटिंग त्रुटिपूर्ण है"। ह्यू कैलपरन यहां बिम्सन द्वारा मध्य कांस्य युग की री-डेटिंग के खिलाफ बहस कर रहे हैं - उस तारीख को नीचे ले जा रहे हैं। वह कहते हैं, "विजय का बाइबिल विवरण 7^{वीं} शताब्दी ईसा पूर्व के अंत में लिखा गया था " - दूसरे शब्दों में, 600 के दशक में; बहुत देर से—“और विजय को किसी भी घटना से जोड़ने में विफल रहता है जिसकी बाहरी स्रोत हमें आज तक अनुमति देते हैं। इसलिए बाइबिल के पाठ के बारे में संदेह के खिलाफ प्राथमिक सावधानी बरतते हुए, अपनी पलकों को गालों पर कसकर दबाकर, कोई यह दिखावा कर सकता है कि जोशुआ की किताब निष्कलंक, निष्कलंक सत्य है, और यह सब 15^{वीं} शताब्दी ईसा पूर्व में हुआ था। Israel एक ही निर्णायक अभियान में विजय प्राप्त की। Canaan लेकिन बी. और एल.”—अब बी. और एल. बिम्सन और लिविंगस्टन थे; डेविड लिविंगस्टन वह व्यक्ति है जिसने पुरातत्व काल की बिम्सन की पुनर्गणना को स्वीकार किया है - इसलिए वह कहता है, "बी. और एल. ने जो किया है, वह कनान की बाइबिल विजय के अपने स्वयं के अत्यधिक मूर्खतापूर्ण पढ़ने के लिए निर्विवाद विश्वसनीयता प्रदान करना है। बी. और एल. का स्मोर्गास्बोर्ड दृष्टिकोण आकर्षक है क्योंकि यह बाइबल की रक्षा के रूप में सामने आता है, लेकिन ऐसा नहीं है। बी. और एल. बहुत से बाइबिल साक्ष्यों को खारिज करते हैं; अंत में, वे चुनना और चुनना स्वीकार कर लेते हैं। उनकी शाब्दिक रूप से मनमानी, ऐतिहासिक रूप से असंबद्ध, पुरातात्विक असंभावित परिकल्पना अपने मस्से को परोपकारी धर्मपरायणता के आवरण के पीछे छिपाती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि धर्मपरायणता के अपने लाभ हैं, लेकिन इसकी कीमत भी है; और बी. और एल. की धर्मपरायणता की कीमत इस्राएल के इतिहास के लगभग 200 वर्षों के बराबर है।”

यही उनकी बहस है। अब मैंने आपको वह पैराग्राफ सिर्फ यह दिखाने के लिए पढ़ा है कि किस तरह की लगभग कटु भाषा का इस्तेमाल उन लोगों के खिलाफ किया जाता है जो विजय की कहानियों

की विश्वसनीयता का बचाव करने का प्रयास करते हैं - विजय की Jericho।

5. ऐ और आचन के पाप में विफलता। आरंभिक आक्रमण एस ओ वे जेरिको पर टिप्पणियाँ हैं। आइए यहोशू 7 और 8 में ऐ पर हमले की ओर बढ़ते हैं। यहोशू 7:1-5 में, आपने पढ़ा कि यहोशू ने "ऐ से, जो बेतआवेन के पूर्व में है Bethel, लोगों को भेजा, Jericho और उनसे कहा, 'ऊपर जाओ और क्षेत्र की जासूसी करो।' अतः वे लोग ऊपर गए और ऐ का पता लगा लिया। और जब वे यहोशू के पास लौट आए, तो उन्होंने कहा, 'सभी लोगों को ऐ के खिलाफ जाने की ज़रूरत नहीं है। दो या तीन हजार आदमी भेजो; वहाँ केवल कुछ ही मनुष्य हैं।' श्लोक चार: "इस प्रकार लगभग तीन हजार मनुष्य ऊपर गए; लेकिन ऐ के लोगों ने उन्हें हरा दिया, और उनमें से लगभग छत्तीस को मार डाला। उन्होंने इस्राएलियों का नगर के फाटक से लेकर पत्थर की खदानों तक पीछा किया, और उन्हें ढलान पर ही मार डाला। इस पर लोगों के हृदय पिघल गये और जल के समान हो गये।" इसलिए उन्होंने उस छोटी सी सेना को वहाँ भेजा क्योंकि उन्हें नहीं लगा कि वहाँ कोई महत्वपूर्ण विरोध होगा, और वे हार गए!

जोशुआ को आश्चर्य हुआ, क्यों? आप श्लोक 6 में पढ़ते हैं: "यहोशू ने अपने वस्त्र फाड़े और भूमि पर मुंह के बल गिर पड़ा, और पुरनियों ने भी Israel वैसा ही किया।" पद 7 में यहोशू ने कहा: "आह, प्रभु यहोवा, तू Jordan हमें नष्ट करने के लिये इन लोगों को एमोरियों के हाथ में करने के लिये क्यों ले आया? काश, हम नदी Israel के दूसरी ओर रहने से संतुष्ट होते Jordan! कनानी और देश के अन्य लोग इसका समाचार सुनेंगे; वे हमें घेर लेंगे और हमारा नाम पृथ्वी पर से मिटा डालेंगे। फिर आप अपने महान नाम के लिए क्या करेंगे?" प्रभु की प्रतिक्रिया है: "खड़े हो जाओ!" तुम अपने चेहरे के बल नीचे क्या कर रहे हो? Israel पाप किया है; उन्होंने मेरी वाचा का उल्लंघन किया है, जिसका पालन करने की मैंने उन्हें आज्ञा दी थी। उन्होंने [यहाँ] समर्पित चीजों में से कुछ ले ली हैं; उन्होंने चोरी की है, उन्होंने झूठ बोला है, उन्होंने उन्हें अपनी संपत्ति में रख लिया है। इस कारण इस्राएली अपने शत्रुओं के साम्हने खड़े नहीं रह सकते; वे अपनी पीठ फेर लेते हैं और भाग जाते हैं क्योंकि उन्हें विनाश के योग्य बना दिया गया है /"

बी. आचन द्वारा समर्पित वस्तुओं को लेना इसलिए उन्हें पता चला कि इस व्यक्ति आचन ने उन चीजों से छीन लिया था जो प्रभु को समर्पित की जानी थीं, जिन्हें उसने स्पष्ट रूप से उन्हें न करने की आज्ञा दी थी। अब पद 20 को देखें: आकान कहता है, “मैंने यहोवा के विरुद्ध पाप किया है। मैं ने यह किया है, कि जब मैं ने लूट में एक सुन्दर अंगरखा Babylonia, अर्थात् दो सौ शेकेल चान्दी, और पचास शेकेल सोने का एक टुकड़ा देखा, तो उनका लालच करके उन्हें ले लिया। इसलिए उसे और उसके परिवार को ले जाया गया और उन पर पथराव किया गया, और हम पद 26 में पढ़ते हैं: “आकान के ऊपर उन्होंने चट्टानों का एक बड़ा ढेर लगा दिया, जो आज तक बना हुआ है।” एक और स्मारक है। इस बार यह पाप के विरुद्ध दैवीय न्याय की याद दिलाता है। नदी को पार करना और दीवारों का गिरना Jericho- भगवान की कृपा की याद दिलाता था; अब यहाँ एक अनुस्मारक है कि जब आप परमेश्वर की अवज्ञा करते हैं तो क्या होता है।

तो उसके बाद, अध्याय 8 में, एक नई सेना निकाली गई और ऐ तक भेजी गई, और इस बार वे सफल रहे। आपने आयत 19बी में पढ़ा, “उन्होंने शहर में प्रवेश किया, उस पर कब्जा कर लिया और आग लगा दी। ऐ के लोगों ने पीछे मुड़कर देखा और नगर का धुआँ आकाश की ओर उठ रहा था।” ऐसा करने के लिए हम किसी भी रणनीति में नहीं जाएंगे, लेकिन उन्होंने शहर पर कब्जा कर लिया, और आप श्लोक 25 में पढ़ते हैं: “उस दिन बारह हजार पुरुष और महिलाएं मारे गए - ऐ के सभी लोग। क्योंकि जब तक यहोशू ने ऐ में रहनेवाले सब लोगोंको नाश न कर डाला, तब तक उस ने अपना भाला बढ़ानेवाला हाथ पीछे न खींचा। फिर श्लोक 28: उन्होंने “ऐ को जला दिया और उसे खंडहरों का स्थायी ढेर बना दिया और ऐ के राजा को एक पेड़ पर लटका दिया।”

सी। एट टेल का पुरातत्व और एआई के रूप में साइट की पहचान पर बहस

अब यह एक ऐसा मामला है जहां पुरातत्व अनुसंधान बाइबिल पाठ से संबंधित होने के तरीके के बारे में फिर से बहुत चर्चा हो रही है। 1930 के दशक में, एक टीला था जिसे वर्तमान में “एट-टेल” के नाम से जाना जाता था, जिसे ऐ की साइट माना जाता था, और इसकी खुदाई की गई

थी। जिन लोगों ने उस टीले पर काम किया, वे हमें बताते हैं कि शहर लगभग 2200 ईसा पूर्व नष्ट हो गया था और लगभग 1200 से 1050 ईसा पूर्व में एक बहुत छोटी लौह युग I सेल को छोड़कर इस पर दोबारा कब्जा नहीं किया गया था, इसलिए यदि इस साइट पर 2200 से 1200 ईसा पूर्व तक कब्जा नहीं किया गया था, यह उन पुरातात्विक खोजों को जोशुआ 7 और 8 में बताई गई बातों के साथ सहसंबंधित करने में समस्याएँ खड़ी करता है। यह प्रश्न 20^{वीं} सदी के उत्तरार्ध से ही मौजूद है, और आज भी जारी है। पुरातात्विक खोजों को बाइबिल के वर्णन के साथ सामंजस्य बिठाने की कोशिश करने के लिए कई प्रस्ताव आए हैं।

विसेंट नाम का एक फ्रांसीसी पुराने नियम का विद्वान था, जिसने सुझाव दिया था कि एट-टेल, या ऐ, एक सैन्य चौकी थी Bethel, और ऐ की विजय वास्तव में एक शहर की विजय नहीं थी, बल्कि एक सैन्य चौकी का अतिक्रमण था। Bethel. यदि यह केवल एक सैन्य चौकी होती Bethel, तो आप इस स्थल पर कब्जे के अधिक सबूत बचे होने की उम्मीद नहीं करते। खैर, यह एक दिलचस्प सुझाव है, क्योंकि जोशुआ ने इसे लेने के बारे में कुछ नहीं कहा है Bethel। क्या ऐ एक सैन्य चौकी थी Bethel? मुझे नहीं लगता कि आप इसे पाठ के साथ सामंजस्य बिठा सकते हैं। यदि आप अध्याय 12 में जाते हैं, जहां आपके पास राजाओं की सूची है, तो आप श्लोक 9 में पढ़ते हैं: "ऐ का राजा, निकट Bethel, एक" - एक राजा। आप पद 16 पर जाएँ: "का राजा Bethel, एक।" ऐ का एक राजा था, और का एक राजा था Bethel। ऐसा नहीं लगता कि ऐ कोई सैन्य चौकी थी Bethel।

आपको पेज 52 पर अपने उद्धरणों में एक और सुझाव मिलेगा। यह पैराग्राफ फाइनगन के *लाइट ऑफ द एंशिंट पास्ट* से है। वह बाइबिल के विवरण के साथ पुरातात्विक डेटा के सामंजस्य की इस समस्या के बारे में बात करते हैं, और उनका कहना है कि सबसे संभावित स्पष्टीकरण यह है: "इस बिंदु पर कठिनाई एआई और के बीच भ्रम में है Bethel। बाद वाले शहर की साइट, यानी Bethel, ऐ से डेढ़ मील से भी कम दूरी पर है और इसे बेइटिन के नाम से जाना जाता है; कहने का तात्पर्य यह है कि आधुनिक साइट पहचान में बीटिन को माना जाता है Bethel। डब्ल्यूएफ अलब्राइट और जेम्स केल्सो Bethel के तहत ओरिएंटल रिसर्च और पिट्सबर्ग थियोलॉजिकल सेमिनरी के संयुक्त अभियानों द्वारा वहां खुदाई की गई। American School ऐसा पाया गया कि पुराने कांस्य युग के शहर के विनाश के बाद सबसे पहले इस पर कब्जा किया गया था, A। जब तक

कि यह मध्य-अंत कांस्य युग में एक प्रसिद्ध शहर के रूप में अस्तित्व में नहीं था। 13^{वीं} शताब्दी में किसी समय शहर जबरदस्त आग की चपेट में आ गया था, जिसके पीछे जली हुई ईंटें, राख और जले हुए मलबे का ढेर रह गया था। इसमें कोई संदेह नहीं हो सकता है कि यह विनाश बच्चों द्वारा शहर की विजय का प्रतिनिधित्व करता है Israel। यह एक तथ्य है। अगले पैराग्राफ में वह कहते हैं, "यह ध्यान दिया जा सकता है कि यहोशू की पुस्तक में कब्ज़ा करने का कोई विवरण नहीं दिया गया है, जबकि दूसरी ओर, न्यायाधीशों के बाद के विवरण में, Bethelयूसुफ के घराने द्वारा कब्जे का वर्णन किया गया है Bethel, लेकिन ऐ के बारे में कुछ नहीं कहा गया है। इसलिए, यह माना जा सकता है" - [और यह अलब्राइट का विचार है, और कई अन्य लोगों का] - "बाद की तारीख में बोरी की परंपरा, गलती से लेकिन स्वाभाविक रूप से, ऐ के नजदीकी खंडहरों से जुड़ी हुई थी। Bethel" दूसरे शब्दों में, हम एट-टेल में पुरातात्विक खोजों और ऐ पर कब्जे के बाइबिल विवरण में प्रतीत होने वाली असंगतता से कैसे निपटते हैं? खैर, जिसने भी यह इतिहास लिखा है, उसने ऐ के विनाश की कहानी के साथ उसके विनाश की कहानी को भी भ्रमित कर दिया है। Bethelआप वास्तव में अध्याय 7-8 में जो पढ़ रहे हैं वह Bethelएआई के बारे में नहीं है। बेशक, इसका मतलब है कि बाइबिल का पाठ विश्वसनीय नहीं है।

यदि आप अपने उद्धरणों में पृष्ठ 53 को देखते हैं, तो पृष्ठ के निचले भाग में फ्री और किचन दोनों इस समस्या पर चर्चा करते हैं। मुझे लगता है कि वे उस दिशा में जाते हैं जो सबसे समझदार है। फ्री कहते हैं, "जे. सिमंस के शोध में जो हालिया समाधान पेश किया गया है, वह यह है कि एट-टेल की पहचान बेथेल/एआई से नहीं की जानी चाहिए" - दूसरे शब्दों में, यह साइट पहचान समस्या है। यह गलत साइट पहचान है; Et-Tel, Ai नहीं है, इसलिए Et-Tel पर की गई कोई भी खुदाई आपको Ai के बारे में कुछ नहीं बता रही है। "वह [अर्थात्, जे. सिमंस] इस पहचान पर चार आपत्तियाँ प्रस्तुत करता है। एक, Et-Tel विशेष रूप से Beitin के निकट नहीं था या Bethel; यहोशू 12:9 इंगित करता है कि ऐ बगल में है Bethel। दो, एट-टेल एक बड़ी साइट है, जबकि जोशुआ 3 लोगों को कम बताता है। तीन, विजय के बाद की अवधि में एट-टेल खंडहर नहीं था, जबकि जोशुआ इंगित करता है कि ऐ था। और चौथा, यहोशू 11 के साथ एट-टेल के उत्तर में कोई चौड़ी घाटी नहीं है, अगर वे यहोशू की सेना के लोगों से चूक गए हों।" तो, फ्री एक दोषपूर्ण साइट पहचान

के लिए बहस कर रहा है। यदि एट-टेल की पहचान एआई से नहीं की जानी है, तो यह संकेत कि 1400 ईसा पूर्व में एट-टेल अस्तित्व में नहीं था, का बाइबिल के इतिहास पर कोई असर नहीं पड़ता है। या, यदि विसैंट का सुझाव कि ऐ एक किला था जिसमें बहुत कम या कुछ भी नहीं बचा है, सही है, तो फिर से बाइबिल की कथा कोई कठिनाई पेश नहीं करती है। लेकिन ऐ के राजा और के राजा के उल्लेख से कठिनाई होती है Bethel। तो वह कहते हैं, "ऐसे संभावित समाधानों को देखते हुए, इस बात पर जोर देना उचित नहीं है कि बाइबल गलत होगी।"

केए किचन पृष्ठ के निचले भाग में बहुत समान है: वह कहते हैं, "एट-टेल की खुदाई 1200-1050 में एक छोटी इजरायली बस्ती के अलावा, प्रारंभिक कांस्य युग के बाद वहां कब्जे का कोई उचित सबूत देने में विफल रही है। साइट का दावा कभी-कभी विवाद पैदा करता है; यह स्थिति बताती है कि एट-टेल ऐ नहीं है, बल्कि एक अन्य प्राचीन स्थल है, शायद बीट एवेन, और ऐ को एट-टेल के पास के क्षेत्र में कहीं और खोजा जाना चाहिए।

मैं कह सकता हूँ कि इस प्रकार की साइट पहचान में काफी गंभीर समस्या है। चारों ओर टीले हैं land of Canaan। ऐसे कोई साइन-पोस्ट नहीं हैं जो कहते हों, "यह यह या वह प्राचीन शहर था।" आपके पास ये सभी टीले हैं, आप उनमें खुदाई करें, और वहां बहुत सारा मलबा है। आपने बाइबल में स्थानों के नामों के बारे में पढ़ा है—आप बाइबिल में वर्णित स्थानों के नाम को किसी टीले से कैसे जोड़ते हैं? यह कोई आसान व्यवसाय नहीं है। अलब्राइट, 1920 और 30 के दशक में, कनान के चारों ओर गधे पर सवार होकर यात्रा करते थे और साइट की पहचान करते थे: "ठीक है, यह यह साइट है, यानी वह है, Bethel वहां है," और कई बार उनके पास उन्हें बनाने के लिए अच्छे कारण थे; लेकिन कई मामलों में उन्होंने उनकी गलत पहचान की। किचन कहते हैं, "जब टीले और साहित्यिक अभिलेख सहमत नहीं हो पाते हैं, तो अन्य मामलों में स्थलाकृतिक और पुरातत्वविद् घबराते नहीं हैं, बल्कि बस अपने सामान्य ज्ञान का उपयोग करते हैं और पहचानते हैं कि वे शायद अपनी पहचान में गलत हैं और क्षेत्र में कहीं और खोज करने के लिए आगे बढ़ते हैं। एआई की समस्या को बिल्कुल इसी तरह से देखा जाना चाहिए। Jericho और ऐ नकारात्मक साक्ष्य के पाठ हैं। स्वर्गीय कांस्य युग की तारीख के अपेक्षित अवशेषों की अनुपस्थिति का स्वचालित रूप से यह अर्थ नहीं है कि बाइबिल की कथाएँ एक एटियोलॉजिकल कहानी की गलतियाँ हैं।

किचन का कथन है, "साक्ष्य की अनुपस्थिति अनुपस्थिति का प्रमाण नहीं है।" सिर्फ इसलिए कि आपके पास वह सबूत नहीं है जो आप चाहते हैं इसका मतलब यह नहीं है कि बाइबिल पाठ या कोई अन्य पाठ आवश्यक रूप से गलत है। "स्थलाकृतिक संकेत और जोशुआ के नेतृत्व का परिस्थितिजन्य यथार्थवाद अन्यथा सुझाव देता है, जैसा कि उत्पादन में पुरातात्विक विफलता की सादृश्यता अन्य निर्विवाद प्राचीन साक्ष्य या लिखित दस्तावेजों के साथ समन्वयित रहती है। "

डी. लिविंगस्टन की पहचान वैकल्पिक साइट अब, चूंकि किचन और फ्री ने साइट की पहचान के बारे में टिप्पणियाँ की हैं, डेविड लिविंगस्टन नाम के एक व्यक्ति ने इसकी जांच शुरू कर दी है। आपको इस शीर्षक के अंतर्गत अपनी ग्रंथ सूची में कुछ प्रविष्टियाँ मिलेंगी। अपनी ग्रंथ सूची में पृष्ठ के मध्य में पृष्ठ 12 को देखें। Livingston1970 में वेस्टमिंस्टर थियोलॉजिकल जर्नल में एक लेख लिखा, जिसका शीर्षक था "बाइबिल बेथेल और एआई के स्थान पर पुनर्विचार", और फिर एक साल बाद एक और लेख, "बेथेल की पारंपरिक साइट पर सवाल उठाया गया," और 1994 में एक और लेख, "स्थान पर आगे का विचार" एल-बिरेह में बेतेल का।" लिविंगस्टन उन लेखों में जो सुझाव देता है वह यह है कि हमें न केवल एआई के लिए बल्कि इसके लिए भी एक नई साइट पहचान की आवश्यकता है Bethel। पारंपरिक दृष्टिकोण यह था कि Bethelबीटिन था और ऐ एट-टेल था। Livingstonबहुत सारे तर्कों और सबूतों के साथ एक मामला बनता है, जिसमें मैं शामिल नहीं होना चाहता, कि हमें उन दोनों को अलग-अलग साइटों पर स्थानांतरित करना चाहिए। उनका सुझाव है कि Bethelशायद बेइटिन के बजाय एल-बिरेह साइट पर है, और ऐ या तो यहां खिरबेट अल-मैकाटिर या खिरबेट अल-बिरेह में है। यदि आप मानचित्र को देखें, तो आप देख सकते हैं कि बेइटिन यहाँ है, एल-बिरेह यहाँ है। तो आप देखिए, वे सभी साइटें एक-दूसरे के काफी करीब हैं। सवाल यह है कि कौन सा टीला कौन सा स्थल है?

उत्खनन पर मैं बस कुछ त्वरित टिप्पणियाँ करना चाहूँगा। खिरबेट निसैया में ऐ के रूप में इस बिंदु तक की गई खुदाई से Livingston, उन्होंने पाया है कि मध्य कांस्य से स्वर्णीय कांस्य युग में संक्रमण के समय उस स्थल पर कब्ज़ा बंद हो गया था। दूसरे शब्दों में, आप उस 1500 अवधि में हैं। और फिर, यदि आप उस 1500 की अवधि को पार करें, जैसा कि बिम्सन का तर्क है, तो यह

फिट होगा। ब्रायंट वुड, जिन्होंने के बारे में वह लेख लिखा था Jericho, हाल के वर्षों में दूसरी साइट, एल-मचातिर पर खुदाई कर रहे हैं। उन्होंने कुछ बेहद दिलचस्प निष्कर्ष निकाले हैं। उन्होंने पाया कि एल-मचातिर 1400 के दशक में जोशुआ के समय का एक किलेबंद स्थल था। यह उस स्वर्गीय कांस्य युग का एकमात्र किलेबंद स्थल है - स्वर्गीय कांस्य युग 1500 से 1200 ईसा पूर्व है - यह शेकेम और शेकेम के बीच के स्वर्गीय कांस्य युग का एकमात्र किलेबंद स्थल है Jerusalem जिसे अब तक खोजा गया है। अब, शेकेम उत्तर की ओर है। इसलिए यह एक महत्वपूर्ण स्थल था और वह वहां उत्खनन जारी रखे हुए है। यह देखना दिलचस्प होगा कि वह क्या लेकर आता है, लेकिन यह निश्चित रूप से एक संभावना है, और अगर सबूत मिलते हैं कि शायद यह एआई है, तो यह समस्या का समाधान कर सकता है।

इ। बेथेल को बेइटिन [एल बिरेह' के रूप में पहचानने पर प्रश्न) बेथेल के पारंपरिक स्थान को बेइटिन से एल-बिरेह में बदलने के अन्य मुद्दे पर - बेइटिन में दिलचस्प बात यह है कि, वहां की गई खुदाई में, उन्हें कभी भी उच्चता का प्रमाण नहीं मिला है। वह स्थान जिसका निर्माण यारोबाम प्रथम ने किया था। राज्य के विभाजन के बाद उसने एक वेदी दान में और दूसरी वेदी बनवाई। Bethel उन्हें कभी इसका सबूत नहीं मिला। बिरेह में कोई खुदाई नहीं की गई है, इसलिए वहाँ एक ऐसी साइट भी है जिसे देखना दिलचस्प साबित हो सकता है, अगर भविष्य में कभी इसकी खुदाई की जाए। समस्या राजनीतिक है। बिरेह एक फ़िलिस्तीनी शहर है West Bank। शहर का उच्चतम बिंदु, जो संभवतः जेरोबाम के ऊंचे स्थान की तलाश के लिए एक जगह होगी, शहर के मेयर का घर है, जो फ़िलिस्तीनी है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि निकट भविष्य में बिरेह में कोई खुदाई होने वाली है। लेकिन ऐ का यह प्रश्न और आप पुरातत्व संबंधी निष्कर्षों को जोशुआ द्वारा ऐ को लेने के बाइबिल वृत्तांतों से कैसे जोड़ते हैं, यह निश्चित रूप से एक सतत प्रश्न है।

खैर, हमारे पास समय नहीं है। हमें अगली बार यहीं से लेना होगा।

केट दानही द्वारा प्रतिलेखन
टेड हिल्लेब्रांट द्वारा रफ संपादित
एलिजाबेथ फिशर
द्वारा अंतिम संपादन टेड हिल्लेब्रांट द्वारा पुनः सुनाया गया

